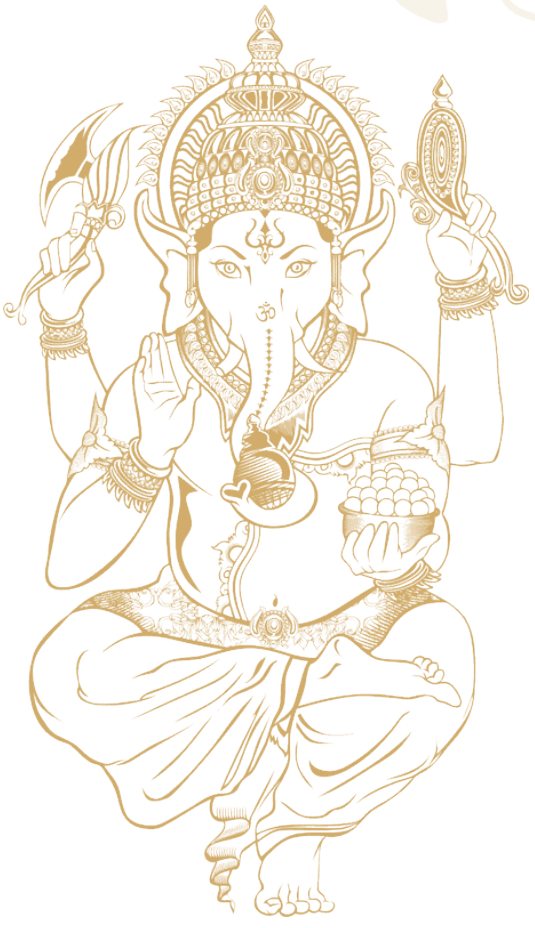

Avika vats

07 May 2019

02:23 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909004

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/05/2019**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:23:00 घंटे**
इष्ट	22:59:40 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:33:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:25 घंटे
साम्पातिक काल	05:32:40 घंटे
सूर्योदय	05:11:07 घंटे
सूर्यास्त	18:22:26 घंटे
दिनमान	13:11:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:24:18 मेष
लग्न के अंश	29:40:16 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:40:16	327:27:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मेष	22:24:18	00:58:06	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			वृष	22:10:18	13:29:47	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	00:12:10	00:38:57	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	मेष	06:59:30	01:51:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु	व		वृश्चि	29:08:44	00:04:44	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	26:07:12	01:12:50	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		धनु	26:21:09	00:00:43	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	25:18:48	00:05:18	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	25:18:48	00:05:18	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:13:40	00:03:23	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	24:03:30	00:01:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:59:26	00:00:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			वृष	29:35:58	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:21

लग्न-चलित

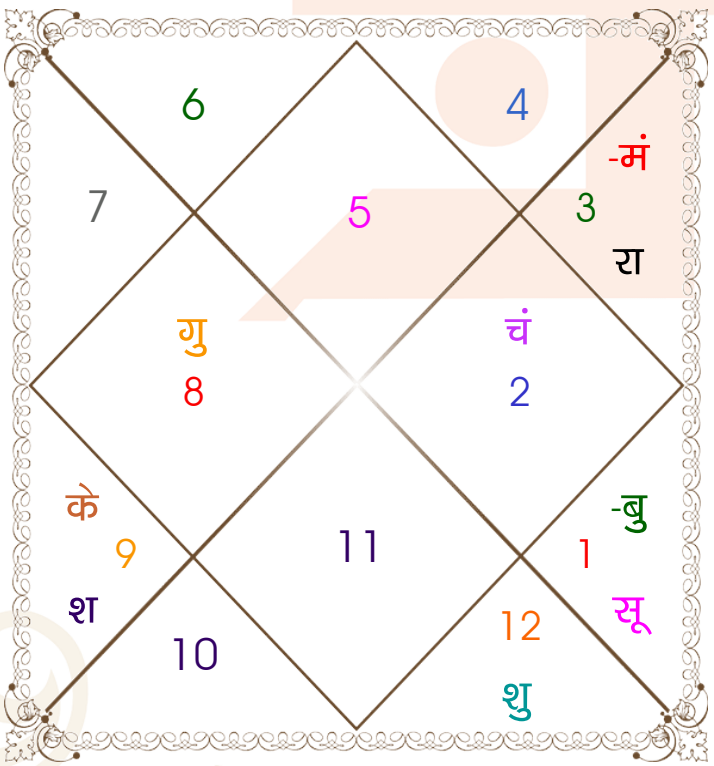

चन्द्र कुंडली

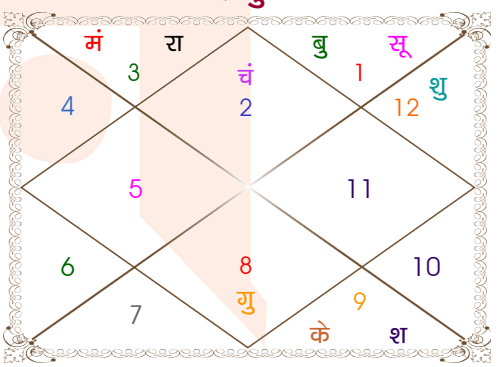

नवमांश कुंडली

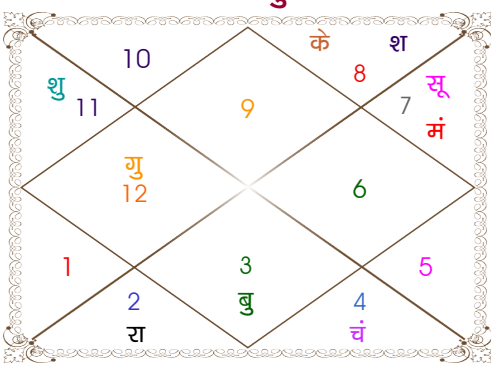

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 10 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/05/2019		20/03/2020		21/03/2027		21/03/2045		21/03/2061	
20/03/2020		21/03/2027		21/03/2045		21/03/2061		20/03/2080	
	00/00/0000	मंगल	16/08/2020	राहु	01/12/2029	गुरु	09/05/2047	शनि	23/03/2064
	00/00/0000	राहु	04/09/2021	गुरु	26/04/2032	शनि	19/11/2049	बुध	02/12/2066
	00/00/0000	गुरु	11/08/2022	शनि	03/03/2035	बुध	25/02/2052	केतु	10/01/2068
	00/00/0000	शनि	20/09/2023	बुध	19/09/2037	केतु	31/01/2053	शुक्र	12/03/2071
	00/00/0000	बुध	16/09/2024	केतु	08/10/2038	शुक्र	02/10/2055	सूर्य	22/02/2072
	00/00/0000	केतु	12/02/2025	शुक्र	07/10/2041	सूर्य	20/07/2056	चंद्र	22/09/2073
	07/05/2019	शुक्र	14/04/2026	सूर्य	01/09/2042	चंद्र	19/11/2057	मंगल	01/11/2074
शुक्र	20/09/2019	सूर्य	20/08/2026	चंद्र	02/03/2044	मंगल	26/10/2058	राहु	07/09/2077
सूर्य	20/03/2020	चंद्र	21/03/2027	मंगल	21/03/2045	राहु	21/03/2061	गुरु	20/03/2080

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/03/2080		21/03/2097		21/03/2104		21/03/2124		22/03/2130	
21/03/2097		21/03/2104		21/03/2124		22/03/2130		00/00/0000	
बुध	17/08/2082	केतु	17/08/2097	शुक्र	22/07/2107	सूर्य	09/07/2124	चंद्र	20/01/2131
केतु	14/08/2083	शुक्र	17/10/2098	सूर्य	21/07/2108	चंद्र	08/01/2125	मंगल	21/08/2131
शुक्र	14/06/2086	सूर्य	22/02/2099	चंद्र	22/03/2110	मंगल	15/05/2125	राहु	19/02/2133
सूर्य	21/04/2087	चंद्र	23/09/2099	मंगल	22/05/2111	राहु	09/04/2126	गुरु	21/06/2134
चंद्र	19/09/2088	मंगल	19/02/2100	राहु	22/05/2114	गुरु	26/01/2127	शनि	20/01/2136
मंगल	16/09/2089	राहु	09/03/2101	गुरु	20/01/2117	शनि	08/01/2128	बुध	21/06/2137
राहु	05/04/2092	गुरु	13/02/2102	शनि	21/03/2120	बुध	14/11/2128	केतु	20/01/2138
गुरु	11/07/2094	शनि	25/03/2103	बुध	20/01/2123	केतु	22/03/2129	शुक्र	08/05/2139
शनि	21/03/2097	बुध	21/03/2104	केतु	21/03/2124	शुक्र	22/03/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।